जेएस हिंदू पीजी कॉलेज में भव्यता से मना संस्थापक दिवस समारोह

शताब्दियों तक याद किए जाते रहेंगे निष्काम कर्मयोगी साहू जगदीश सरन

शिक्षा से बनती है मनुष्य की समाज में सशक्त पहचान : निधि गुप्ता वत्स, जिलाधिकारी

उपकार केसरी/विनीत अग्रवाल

अमरोहा एमजेपी रूहेलखंड विश्वविद्यालय एवं मुरादाबाद मंडल में अपनी सुव्यवस्थाओं, अध्ययन-अध्यापन, अनुशासन, शुचितापूर्ण परीक्षा, शैक्षणिक और अकादमी कार्यक्रमों की श्रृंखला से सुदूर क्षेत्रों तक अपनी चमक बिखरने वाले जगदीश सरन हिंदू पीजी कॉलेज, अमरोहा में समाज कल्याण और लोकोपकार के सशक्त हस्ताक्षर और कॉलेज के संस्थापक स्व. साहू जगदीश सरन जी की 126 वीं जयंती के उपलक्ष्य में आज दिनांक 10 अक्टूबर 2024 को संस्थापक समारोह श्रेष्ठ वैदिक कर्म यज्ञ, श्रद्धा सुमन समर्पण एवं प्रतिभा सम्मान के साथ धूमधाम के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा "शिक्षा सम्मान प्राप्त करने का सबसे सशक्त माध्यम है। शिक्षा से जब विनम्रता आती है तो वह सम्मान दिलाती है। स्वस्थ सामाजिक प्रतिमानों और व्यवस्थाओं के लिए व्यक्ति का शिक्षित होना एक अनिवार्य शर्त है। शिक्षा से समय अनुसार परिवर्तनशीलता को स्वीकारने में सहायता मिलती है। लेकिन शिक्षा से यदि अभिमान आ जाए तो वह सम्मान शून्य भी कर सकती है। यह संसार दानवीरों और दूरदर्शी व्यक्तित्वों का हमेशा ऋणी रहेगा। उनके सद्कृत्यों से ही समाज में जनकल्याण, लोकोपकार, शिक्षा, चिकित्सा और सेवा जैसे नैतिक कर्तव्यों का उदय और स्थापन होता है। वास्तव में साहू जगदीश सरन जी सच्चे अर्थों में एक महामानव और अमरोहा के मालवीय थे। हम सभी का कर्तव्य है कि हम उनके आदर्श और संकल्पों को पूरा करें। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के अतिरिक्त, अध्यक्ष प्रबंध समिति, संजय मालीवाल मंत्री, श्री योगेश कुमार जैन, उपाध्यक्ष श्री लीलाधर अरोड़ा, कोषाध्यक्ष श्री उमेश कुमार गुप्ता व यशस्वी प्राचार्य प्रो वीर वीरेंद्र सिंह मंच पर शोभायमान मान रहे। इस शुभावसर पर संजय मालीवाल, अध्यक्ष, प्रबंध समिति ने कहा कि यदि इस पृथ्वी तल पर कोई ऐसा देश है जो मंगलमयी पुण्यभूमि कहलाने का अधिकारी है; ऐसा देश जहां संसार के समस्त जीवों को कर्म फल भोगने के लिए आना ही है; ऐसा देश जहां ईश्वरोन्मुख प्रत्येक आत्मा का अपना अंतिम लक्ष्य प्राप्त करने के लिए पहुंचना अनिवार्य है; ऐसा देश जहां मानवता ने ऋजुता, उदारता, दानवीरता, शुचिता एवं शांति का चरम शिखर स्पर्श किया हो तथा इस सबसे आगे बढ़कर जो देश अंतर्दृष्टि एवं आध्यात्मिकता का घर हो तो वह देश भारत ही है। प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष उमेश कुमार गुप्ता ने कहा कि साहू जी जैसे व्यक्तित्वों को यद्यपि विपरीत परिस्थितियों के भीषण झंझावातों ने युगों युगों तक संघर्ष के परिणाम स्वरूप जीवन को जीर्ण-शीर्ण कर डाला और काल के थप्पड़ों ने उन्हें जर्जर कर डाला तथापि उनके दान, कल्याण और जनोपकार के कारण उनके श्रेष्ठ प्रतिमान आज भी समाज के अतीत की गौरव गाथाओं के रूप में गाई जा रहें हैं। यह जयंती समारोह ऐसा ही एक उत्कृष्ट उदाहरण है। महाविद्यालय के संस्थापक साहू जगदीश सरन के जन्म दिवस पर आयोजित इस समारोह में श्री साहू जी की दानशीलता की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए विशिष्ट अतिथि प्रो. डॉ अशोक रुस्तगी, प्राचार्य,केए पीजी कॉलेज, कासगंज ने कहा कि साहू जी ने जन कल्याण के भाव से महाविद्यालय रूपी जो पौधा समाज में रोपित किया था वह आज बट वृक्ष बनकर पूरे समाज के नागरिकों को सेवारूपी शीतल छाया और औषधीय सादृश्य शिक्षा प्रदान कर रहा है। आपने कहा कि ऐसे महापुरुषों द्वारा ही नवीन युग का सृजन होता है। योगेश कुमार जैन, मंत्री प्रबंध समिति ने इस अवसर पर कहा कि साहू साहब अमरोहा के युगपुरुष व इतिहास पुरुष थे। यदि इस महाविद्यालय की स्थापना नहीं होती तो लाखों विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा की डिग्री प्राप्त करना मुश्किल था।

महाविद्यालय के रचनात्मक यशस्वी प्राचार्य प्रोफेसर वीर वीरेंद्र सिंह ने इस अवसर पर कहा कि जिन पदाम्बुजों की कृपा मकरंद से हम सभी लाभान्वित हो रहे हैं उन महामना के प्रति हम सभी कृतज्ञ हैं और उनके सपनों को साकार करने के लिए कृत संकल्प हैं। संकल्पों के आधार पर बढ़ते हुए महाविद्यालय ने विगत वर्ष लगभग 70 विश्वविद्यालय स्तरीय, राज्य स्तरीय और राष्ट्र स्तरीय उत्कृष्ट कार्यक्रम आयोजित किये। आपने बताया महाविद्यालय द्वारा आयोजित "अंतरिक्ष सप्ताह" के कार्यक्रम के फोटो को "इसरो" द्वारा टैग किया गया। यह हमारे महाविद्यालय के लिए एक गौरवशाली क्षण है। खेलकूद के माहौल को ऊंचाइयां देने के लिए विभिन्न खेल प्रतिस्पधाओं में नवीन शिक्षकों को अलग-अलग गेम प्रभारी बनाकर जिम्मेदारी सोप गई है जिनका वह पूर्ण निष्ठा मनोयोग और तत्परता के साथ निर्वाह कर रहे हैं। महाविद्यालय प्रांगण को हरा भरा और स्वच्छ रखने के लिए आपने विद्यार्थियों का आवाहन किया कि यदि वह "नेचर के साथ सेल्फी" ले सकते हैं तो पौधा रोपण व उसके रखरखावके लिए भी उन्हें समय समय देना चाहिए। आपने कहा कि समय की मांग है कि "विद्यार्थी पर्यावरण के पहरेदार बनें।" उपाध्यक्ष, प्रबंध समिति लीलाधर अरोड़ा ने इस अवसर पर कहा कि "परिस्थितियां प्रतिभाओं को जन्म देती है।" कार्यक्रम की समन्वयक डॉक्टर बीना रूस्तगी ने कहा कि साहू साहब निःसंतान थे; लेकिन चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में अपने उल्लेखनीय व अनंन्य योगदान से लाखों वारिस(सुयोग्य नागरिक) पैदा कर दिए। "परहित सरस धर्म नहीं भाई" उक्ति को साहू जी ने अपने जीवन में चरितार्थ किया।

इस जयंती समारोह का कुशल संचालन डॉक्टर अरविंद शास्त्री ने किया। आपने अपने कविता पाठ से सदन की खूब तालियां बटोरी। कार्यक्रम में अपनी रंगोलियों से गृह विज्ञान की छात्र-छात्राओं ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। एनसीसी कैडेट ने अतिथियों के सत्कार और अपनी लयबद्ध परेड के द्वारा अतिथियों के सम्मान को विशिष्टता प्रदान की।

इस जयंती समारोह में पूर्व प्राचार्य डॉ पीके जैन, डॉ सुधांश शर्मा, सुरेश विरमानी, अवधेश गोयल, सिद्धार्थ जैन, यश जैन नत्थू सिंह, प्रधान आर्य समाज, अनिल जग्गा सिद्धार्थ अग्रवाल सहित अन्य अनेक विशिष्टजन और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर महाविद्यालय के होनहार और मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित व पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका "चेतना" का विमोचन भी किया गया। यह पत्रिका महाविद्यालय की वर्षभर की गतिविधियों, कार्यकलापों, शिक्षकों और विद्यार्थियों की सृजनात्मक क्षमता का प्रतिनिधित्व करती है।

'सम्मान समारोह' विद्यार्थियों के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण तैयार करने में सहायक होते हैं।

इस सम्मान समारोह में "श्रीदेवी जैन बॉटनी रजत पदक सम्मान" एमएससी फिफ्थ सेमेस्टर की कु सारा मेहवास, एमएससी फिफ्थ सेमेस्टर की कुमारी संध्या, एमएससी फिफ्थ सेमेस्टर की कु रोमाना अरशद को दिया गया।

श्री अभिनंदन कुमार जैन स्मृति प्रतिभा पुरस्कार बीए तृतीय वर्ष में अलशिफा नूर, बीकॉम तृतीय वर्ष पलक चौधरी, बीएससी तृतीय वर्ष स्वाति चौहान को दिया गया।

श्री सुमित कुमार जैन स्मृति प्रतिभा पुरस्कार अल शिफा नूर, पलक चौधरी, स्वाति चौहान को दिया गया।

डॉ हरिओम अग्रवाल स्मृति पुरस्कार हिमांशी चौधरी एमए भूगोल थर्ड सेमेस्टर, अर्पित चौधरी बीए थर्ड सेमेस्टर को दिया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक पुरस्कार दीप कुमार बीए फोर्थ सेमेस्टर और रश्मि बीए फोर्थ सेमेस्टर को दिया गया।

एनएसएस में विशेष योगदान के लिए इकाई के प्रभारी डॉ पीयूष शर्मा को भी इस अवसर पर पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त अपनी अपनी कक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले सभी छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा आराध्या गंधर्वा कक्षा 6 ने अपनी वाणी से शास्त्रीय रागों से परिपूर्ण भजन प्रस्तुत कर समस्त जनमानस का मन मोह लिया।कृत किया गया। इसके अतिरिक्त अपनी अपनी कक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले सभी छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा आराध्या गंधर्वा कक्षा 6 ने अपनी वाणी से शास्त्रीय रागों से परिपूर्ण भजन प्रस्तुत कर समस्त जनमानस का मन मोह लिया।

3
अभय केसरी, हिन्दी समाचार पत्र, कोठी खिदमतपुर (अमरोहा)
Visit at :-www.abhaykesari.com
शुक्रवार 11 अक्टूबर 2024

उत्तर प्रदेश की 90% उच्च शिक्षा व्यवस्था स्ववित्त पोषित महाविद्यालय

प्रदेश भर में बड़े स्तर पर डिग्री कालेजों में हो रहा है अनुमोदन के नाम पर फर्जीवाड़ा, प्रदेश के सेव

अभय केसरी ब्यूरो

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के स्ववित्त पोषित महाविद्यालयों के शिक्षकों के मुद्दों और अनुमोदन फर्जीवड़ि को लेकर आज पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर ने प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह से मुलाकात की । मलिहाबाद विधायक प्रतिनिधि जे पी सिंह जो पूर्व में 2010 से लगातार उत्तर प्रदेश के स्ववित्त पोषित महाविद्यालयों के असिस्टेंट प्रोफेसर के अनुमोदन फर्जीवाड़ा को उठाते रहे हैं ने भी आज पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर के साथ मुख्य सचिव को अवगत कराते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश की 90% उच्च शिक्षा व्यवस्था स्ववित्त पोषित महाविद्यालय के द्वारा संचालित है जिसमें अधिकांश महाविद्यालय में शिक्षक और प्राचार्य केवल कागजों पर ही है उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध स्ववित्त पोषित महाविद्यालय में नेट, पीएचडी धारक के कागज पर प्राचार्य और असिस्टेंट प्रोफेसर का अनुमोदन कर लेते है । जेपी सिंह ने बताया कि उनकी जगह पर अयोग्य लोगों से पढ़वाते है तथा महाविद्यालय में केवल परीक्षा ही होती है पढ़ाई के नाम पर केवल खानापूर्ति हो रही है जिससे उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था की स्थिति बहुत खराब है । पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर ने उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की है की उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालय द्वारा एक केंद्रीय कृत डाटा बेस तैयार किया जाए जिसको उच्च शिक्षा विभाग सार्वजनिक करें जिससे एक शिक्षक का एक से अधिक महाविद्यालय में अनुमोदन ना हो सके एक शिक्षक एक अनुमोदन एक शिक्षक एक विश्वविद्यालय का नियम लागू हो। जिससे उत्तर प्रदेश के लाखों बेरोजगार युवाओं को न्याय मिले और नये कु… को भी अनुमोदन का अ… प्राप्त हो । जेपी सिंह ने मांग… कि गलत तरीके से चल… अनुमोदन वाले असिस्टेंट प्रो… और महाविद्यालय के प्रबंध… खिलाफ कार्रवाही हो नि… उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्ष… कायाकल्प हो सके । मुख्य स… मनोज कुमार सिंह ने कार्र… का आश्वासन दिया है। एजे…

जेएस हिंदू पीजी कॉलेज में भव्यता से मना संस्थापक दिवस समारोह

शताब्दियों तक याद किए जाते रहेंगे निष्काम कर्मयोगी साहू जगदीश सरन

शिक्षा से बनती है मनुष्य की समाज में सशक्त पहचान : निधि गुप्ता वत्स, जिलाधिकारी

अभय केसरी ब्यूरो

अमरोहा एमजेपी रूहेलखंड विश्वविद्यालय एवं मुरादाबाद मंडल में अपनी सुव्यवस्थाओं, अध्ययन-अध्यापन, अनुशासन, शुचितापूर्ण परीक्षा, शैक्षणिक और अकादमी कार्यक्रमों की श्रृंखला से सुदूर क्षेत्रों तक अपनी चमक बिखरने वाले जगदीश सरन हिंदू पीजी कॉलेज, अमरोहा में समाज कल्याण और लोकोपकार के सशक्त हस्ताक्षर और कॉलेज के संस्थापक स्व. साहू जगदीश सरन जी की 126 वीं जयंती के उपलक्ष्य में आज दिनांक 10 अक्टूबर 2024 को संस्थापक समारोह श्रेष्ठ वैदिक कर्म यज्ञ, श्रद्धा सुमन समर्पण एवं प्रतिभा सम्मान के साथ धूमधाम के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा "शिक्षा सम्मान प्राप्त करने का सबसे सशक्त माध्यम है। शिक्षा से जब विनम्रता आती है तो वह सम्मान दिलाती है। स्वस्थ सामाजिक प्रतिमानों और व्यवस्थाओं के लिए व्यक्ति का शिक्षित होना एक अनिवार्य शर्त है। शिक्षा से समय अनुसार परिवर्तनशीलता को स्वीकारने में सहायता मिलती है। लेकिन शिक्षा से यदि अभिमान आ जाए तो वह सम्मान शून्य भी कर सकती है। यह संसार दानवीरों और दूरदर्शी व्यक्तित्वों का हमेशा ऋणी रहेगा। उनके सद्कृत्यों से ही समाज में जनकल्याण, लोकोपकार, शिक्षा, चिकित्सा और सेवा जैसे नैतिक कर्तव्यों का उदय और स्थापन होता है। वास्तव में साहू जगदीश सरन जी सच्चे अर्थों में एक महामानव और अमरोहा के मालवीय थे। हम सभी का कर्तव्य है कि हम उनके आदर्शों और संकल्पों को पूरा करें। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के अतिरिक्त, अध्यक्ष प्रबंध समिति, संजय मालीवाल मंत्री, श्री योगेश कुमार जैन, उपाध्यक्ष श्री लीलाधर अरोड़ा, कोषाध्यक्ष श्री उमेश कुमार गुप्ता व यशस्वी प्राचार्य प्रो वीर वीरेंद्र सिंह मंच पर शोभायमान मान रहे। इस शुभावसर पर संजय मालीवाल, अध्यक्ष, प्रबंध समिति ने कहा कि यदि इस पृथ्वी तल पर कोई ऐसा देश है जो मंगलमयी पुण्यभूमि कहलाने का अधिकारी है; ऐसा देश जहां संसार के समस्त जीवों को कर्म फल भोगने के लिए आना ही है; ऐसा देश जहां ईश्वरोन्मुख प्रत्येक आत्मा का अपना अंतिम लक्ष्य प्राप्त करने के लिए पहुंचना अनिवार्य है; ऐसा देश जहां मानवता ने ऋजुता, उदारता, दानवीरता, शुचिता एवं शांति का चरम शिखर स्पर्श किया हो तथा इस सबसे आगे बढ़कर जो देश अंतर्दृष्टि एवं आध्यात्मिकता का घर हो तो वह देश भारत ही है। प्रबंध समिति के

कोषाध्यक्ष उमेश कुमार गुप्ता ने कहा कि साहू जी जैसे व्यक्तित्वों को यद्यपि विपरीत परिस्थितियों के भीषण झंझावातों ने युगों युगों तक संघर्ष के परिणाम स्वरूप जीवन को जीर्ण-शीर्ण कर डाला और काल के थपेड़ों ने उन्हें जर्जर कर डाला तथापि उनके दान, कल्याण और जनोपकार के कारण उनके श्रेष्ठ प्रतिमान आज भी समाज के अतीत की गौरव गाथाओं के रूप में गाई जा रहें हैं। यह जयंती समारोह ऐसा ही एक उत्कृष्ट उदाहरण है। महाविद्यालय के संस्थापक साहू जगदीश सरन के जन्म दिवस पर आयोजित इस समारोह में श्री साहू जी की दानशीलता की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए विशिष्ट अतिथि प्रो. डॉ अशोक रुस्तगी, प्राचार्य,केए पीजी कॉलेज, कासगंज ने कहा कि साहू जी ने जन कल्याण के भाव से महाविद्यालय रूपी जो पौधा समाज में रोपित किया था वह आज वट वृक्ष बनकर पूरे समाज के नागरिकों को सेवारूपी शीतल छाया और औषधीय सादृश्य शिक्षा प्रदान कर रहा है। आपने कहा कि ऐसे महापुरुषों द्वारा ही नवीन युग का सृजन होता है। योगेश कुमार जैन, मंत्री प्रबंध समिति ने इस अवसर पर कहा कि साहू साहब अमरोहा के युगपुरुष व इतिहास पुरुष थे। यदि इस महाविद्यालय की स्थापना नहीं होती तो लाखों विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा की डिग्री प्राप्त करना मुश्किल था।

महाविद्यालय के रचनात्मक यशस्वी प्राचार्य प्रोफेसर वीर वीरेंद्र सिंह ने इस अवसर पर कहा कि जिन पदाम्बुजों की कृपा मकरंद से हम सभी लाभान्वित हो रहे हैं उन महामना के प्रति हम सभी कृतज्ञ हैं और उनके सपनों को साकार करने के लिए कृत संकल्प हैं। संकल्पों के आधार पर बढ़ते हुए महाविद्यालय ने विगत वर्ष लगभग 70 विश्वविद्यालय स्तरीय, राज्य स्तरीय और राष्ट्र स्तरीय उत्कृष्ट कार्यक्रम आयोजित किये। आपने बताया महाविद्यालय द्वारा आयोजित "अंतरिक्ष सप्ताह" के कार्यक्रम के फोटो को "इसरो" द्वारा टैग किया गया। यह हमारे महाविद्यालय के लिए एक गौरवशाली क्षण है। खेलकूद के माहौल को ऊंचाइयां देने के लिए विभिन्न खेल प्रतिस्पधाओं में नवीन शिक्षकों को अलग-अलग गेम प्रभारी बनाकर जिम्मेदारी सौंप गई है जिनका वह पूर्ण निष्ठा मनोयोग और तत्परता के साथ निर्वाह कर रहे हैं। महाविद्यालय प्रांगण को हरा भरा और स्वच्छ रखने के लिए आपने विद्यार्थियों का आवाहन किया कि यदि वह "नेचर के साथ सेल्फी" ले सकते हैं तो पौधा रोपण व उसके रखरखावके लिए भी उन्हें समय समय देना चाहिए। आपने कहा कि समय की मांग है कि "विद्यार्थी पर्यावरण के पहरेदार बनें।" उपाध्यक्ष, प्रबंध समिति लीलाधर अरोड़ा ने इस अवसर पर कहा कि "परिस्थितियां प्रतिभाओं को जन्म देती है।" कार्यक्रम की समन्वयक डॉक्टर बीना रूस्तगी ने कहा कि साहू साहब निःसंतान थे; लेकिन चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में अपने उल्लेखनीय व अनन्य योगदान से लाखों वारिस(सुयोग्य नागरिक) पैदा कर दिए। "परहित सरस धर्म नहीं भाई" उक्ति को साहू जी ने अपने जीवन में चरितार्थ किया।

इस जयंती समारोह का कुशल संचालन डॉक्टर अरविंद शास्त्री ने किया। आपने अपने कविता पाठ से सदन की खूब तालियां बटोरी। कार्यक्रम में अपनी रंगोलियों से गृह विज्ञान की छात्र-छात्राओं ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। एनसीसी कैडेट ने अतिथियों के सत्कार और अपनी लयबद्ध परेड के द्वारा अतिथियों के सम्मान को विशिष्टता प्रदान की।

इस जयंती समारोह में पूर्व प्राचार्य डॉ पीके जैन, डॉ सुधांश शर्मा, सुरेश विरमानी, अवधेश गोयल, सिद्धार्थ जैन, यश जैन नत्थू सिंह, प्रधान आर्य समाज, अनिल जग्गा सिद्धार्थ अग्रवाल सहित अन्य अनेक विशिष्टजन और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर महाविद्यालय के होनहार और मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित व पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका "चेतना" का विमोचन भी किया गया। यह पत्रिका महाविद्यालय की वर्षभर की गतिविधियों, कार्यकलापों, शिक्षकों और विद्यार्थियों की सृजनात्मक क्षमता का प्रतिनिधित्व करती है।

'सम्मान समारोह' विद्यार्थियों के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण तैयार करने में सहायक होते हैं।

इस सम्मान समारोह में "श्रीदेवी जैन बॉटनी रजत पदक सम्मान" एमएससी फिफ्थ सेमेस्टर की कु सारा मेहवास, एमएससी फिफ्थ सेमेस्टर की कुमारी संध्या, एमएससी फिफ्थ सेमेस्टर की कु रोमाना अरशद को दिया गया।

श्री अभिनंदन कुमार जैन स्मृति प्रतिभा पुरस्कार बीए तृतीय वर्ष में अलशिफा नूर, बीकॉम तृतीय वर्ष पलक चौधरी, बीएससी तृतीय वर्ष स्वाति चौहान को दिया गया।

श्री सुमित कुमार जैन स्मृति प्रतिभा पुरस्कार अल शिफा नूर, पलक चौधरी, स्वाति चौहान को दिया गया।

डॉ हरिओम अग्रवाल स्मृति पुरस्कार हिमांशी चौधरी एमए भूगोल थर्ड सेमेस्टर, अर्पित चौधरी बीए थर्ड सेमेस्टर को दिया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक पुरस्कार दीप कुमार बीए फोर्थ सेमेस्टर और रश्मि बीए फोर्थ सेमेस्टर को दिया गया।

एनएसएस में विशेष योगदान के लिए इकाई के प्रभारी डॉ पीयूष शर्मा को भी इस अवसर पर पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त अपनी अपनी कक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले सभी छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा आराध्या गंधर्वा कक्षा 6 ने अपनी वाणी से शास्त्रीय रागों से परिपूर्ण भजन प्रस्तुत कर समस्त जनमानस का मन मोह लिया।कृत किया गया। इसके अतिरिक्त अपनी अपनी कक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले सभी छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा आराध्या गंधर्वा कक्षा 6 ने अपनी वाणी से शास्त्रीय रागों से परिपूर्ण भजन प्रस्तुत कर समस्त जनमानस का मन मोह लिया।

जे. एस. हिन्दू (पी.जी.) कॉलेज, अमरोहा
यशस्वी संस्थापक, उदारमना, निष्काम कर्मयोगी, स्वनामधन्य
श्रद्धेय साहू जगदीश सरन जी की 126 वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित
संस्थापक दिवस समारोह-2024
10 अक्टूबर 2024, गुरुवार

श्रद्धेय साहू जगदीश सरन जी की 126 वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजि
संस्थापक दिवस समारोह-2024